सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 193 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 20 अगस्त, 2025

मूल्य ₹ 3/-

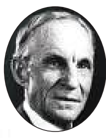

मेरा सबसे अच्छा दोस्त वो है जो मेरा सर्वश्रेष्ठ बाहर लाता है।

-हेनरी फोर्ड

यूपी टी-20: मेजबान फॉल्कंस का दूसरे मैच... 7 | यूपी पंचायत चुनाव में भरने होंगे... 3 | बीजेपी ने रेलवे को भी खोखला... 2

दिल्ली की सीएम पर पड़ा अव्यवस्था का पंजा!

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बाल खींच कर शख्स ने तेजी से जड़ा थप्पड़

- » सुबह जनसुनवाई में अपनी शिकायत लेकर सीएम आवास पहुंचा था शख्स
- » विपक्ष ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल
- » पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया
- » भाजपा, आप-कांग्रेस ने की हमले की निंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी पिछले कुछ दिनों से बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर ऐसे ही पूरे देश में सुर्खियों में थी। अब तो हद हो गई दिल्ली की सीएम भी यहां सुरक्षित नहीं हैं। ऐसी खबरें आई कि जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला हुआ।

उनको चोटें लगीं हैं। इस खबर के आते ही विपक्ष ने जहां इस घटना की निंदा की वहीं राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार व दिल्ली सरकार को जमकर घेरा। भाजपा की दिल्ली इकाई ने आरोप लगाया है कि जन सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला किया गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दावा किया है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सिविल लाइंस स्थित उनके सरकारी आवास पर साप्ताहिक जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर हमला किया गया। बाद में भाजपा ने इस घटना की पुष्टि की और पार्टी प्रवक्ता प्रवीण शंकर ने कहा कि सुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता को निशाना बनाया गया। भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने हमले की कड़ी निंदा की।

35 वर्षीय व्यक्ति ने किया हमला

यह हमला एक 35 वर्षीय व्यक्ति ने किया, जिसने हमला करने से पहले मुख्यमंत्री को कुछ कागज दिए। उसने उनके बाल भी खींचे और उन्हें थप्पड़ भी मारे। हालांकि रेखा गुप्ता को कोई चोट नहीं आई है, लेकिन इस घटना से वह सदमे में हैं। हमलावर को अब दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जाँच जारी है।

क्या जनता सीएम से नाराज है?

भारद्वाज ने एक पुरानी घटना का भी ज़िक्र किया जब चुनाव प्रचार के दौरान एक भाजपा समर्थक ने अरविंद केजरीवाल पर हमला किया था। उन्होंने याद दिलाया कि उस समय भाजपा के लोगों ने कहा था कि दिल्ली की जनता उनसे नाराज है, हालांकि, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मामले में उनकी पार्टी ऐसा नहीं करेगी।

हिंसा के लिए कोई जगह नहीं : केजरीवाल

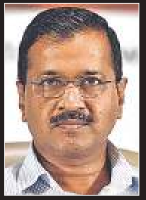

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले की निंदा करते हुए कहा कि लोकतंत्र में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने दिल्ली पुलिस पर इस मामले में उचित कार्रवाई करने का भरोसा जताया और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की कुशलता की कामना की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला बेहद निंदनीय है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतभेद और विरोध स्वीकार्य हैं, लेकिन हिंसा के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। मुझे विश्वास है कि दिल्ली पुलिस उचित कार्रवाई करेगी। मुझे उम्मीद है कि मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ होंगी।

हमला बेहद निंदनीय : आतिशी

पूर्व सीएम आतिशी ने लिखा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध की जगह होती है, लेकिन हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उम्मीद है कि दिल्ली पुलिस दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। आशा है मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं।

ये गांधी के सिखाए गए सिद्धांत नहीं हैं : भारद्वाज

आप दिल्ली प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने भी इस घटना पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में इस तरह के हमले के लिए कोई जगह नहीं है और ये महात्मा गांधी द्वारा सिखाए गए सिद्धांत नहीं हैं। उन्होंने हिंसा को संरक्षण देने वाले समूह पर भी सवाल उठाए और कहा कि हिंसा सिर्फ़ मुख्यमंत्री पर हमले के समय ही नहीं होती, बल्कि तब भी होती है जब पुलिस एसएससी के छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ़ हिंसक कार्रवाई करती है। यह निंदनीय है। हमारे समाज में किसी भी तरह की हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। सवाल यह है कि कौन सा समूह हिंसा को संरक्षण दे रहा है। किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन पुलिस ने उनके ख़िलाफ़ हिंसक कार्रवाई की - यह भी हिंसा थी।

घटना ने महिला सुरक्षा की पोल भी खोल दी : देवेंद्र यादव

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने हमले की निंदा की है और घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर मुख्यमंत्री सुरक्षित नहीं हैं, तो राष्ट्रीय राजधानी में एक आम आदमी कैसे सुरक्षित रह सकता है। यादव ने कहा, मुख्यमंत्री पूरी दिल्ली का नेतृत्व करते हैं और मुझे लगता है कि ऐसी घटनाओं की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। लेकिन यह घटना महिला सुरक्षा की पोल भी खोलती है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए सीपी राधाकृष्णन ने किया नामांकन

» पीएम मोदी बने प्रस्तावक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

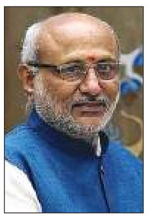

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार (20 अगस्त) को नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत कई सांसद मौजूद रहे। अहम बात यह भी है कि पीएम मोदी उनके प्रस्तावक भी बने। इंडिया गठबंधन ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए बी सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है।

दिलचस्प बात यह है कि इस बार दोनों ही कैंडिडेट दक्षिण भारत से हैं। सीपी राधाकृष्णन ने नामांकन दाखिल करने से पहले संसद परिसर में स्थित प्रेरणा स्थल जा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रेरणा स्थल में प्रतिष्ठित हस्तियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं।

कल जस्टिस रेड्डी करेंगे नामांकन

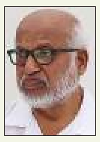

विपक्ष की तरफ से उपराष्ट्रपति के उम्मीदवार जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी कल अपना नामांकन दाखिल करेंगे। बता दें कि उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन की आखिरी तारीख भी कल यानी 21 अगस्त ही है। वहीं इंडिया गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा, मैं इससे खुश हूं। मैं अपने नामांकन से खुश हूं। अगर यह अप्रिय होता, तो मैं यह यात्रा क्यों करता और आगे क्यों बढ़ता? मैं इससे खुश हूं।

राजीव गांधी की 81वीं जयंती पर दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

» पीएम मोदी, नेता प्रतिपक्ष खरगे व प्रियंका ने याद किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 81वीं जयंती पर प्रधानमंत्री मोदी सहित कांग्रेस नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मल्लिकार्जुन खरगे ने राजीव गांधी के उन अभूतपूर्व कदमों को याद किया जिन्होंने भारत में परिवर्तनकारी बदलाव लाए।

कांग्रेस ने भी इस जयंती के उपलक्ष्य में उनके स्मारक वीरभूमि पर एक स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खरगे, के सी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी वाड्रा मौजूद रहे। कांग्रेस ने जयंती के उपलक्ष्य में उनके स्मारक वीरभूमि पर एक स्मृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया।

राजीव गांधी एक ऐसे नेता थे जिन्होंने करोड़ों लोगों में उम्मीद जगाई : खरगे

खरगे ने कहा, ''आज सद्भावना दिवस के मौके पर हम राजीव गांधी को याद कर रहे हैं। वह एक ऐसे उत्कृष्ट नेता थे जिन्होंने करोड़ों लोगों में उम्मीद जगाई और भारत को 21वीं सदी में आगे बढ़ाया।'' उन्होंने कहा कि राजीव गांधी की विरासत का उदाहरण भारत के लिए उनकी अनगिनत उपलब्धियां हैं जिनसे देश में बड़े और परिवर्तनकारी बदलाव आए।

विरासत में आप से करुणा, प्रेम और देशभक्ति का धर्म मिला : प्रियंका

पूर्व की पुत्री प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, विरासत में आप से करुणा, प्रेम और देशभक्ति का धर्म मिला। हम दोनों हमेशा के लिए ये धर्म निभायेंगे। न कोई तोड़ पाएगा, न कोई रोक पाएगा।

बीजेपी ने रेलवे को भी खोखला कर दिया: अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- धिक्कार है ऐसे डबल इंजन पर

» ट्रेन में ज्यादा लगेज पर जुर्माना लगाने पर भड़के सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सवाल उठाए और कहा कि बीजेपी ने रेलवे को भी खोखला कर दिया है। दरअसल भारतीय रेलवे के संदर्भ में दावा किया जा रहा है कि ट्रेन से यात्रा करने वाले यात्रियों को लेकर बड़ा बदलाव किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब यात्रियों के लिमिट से ज्यादा लगेज ले जाने पर अतिरिक्त चार्ज देना होगा।

हालांकि रेलवे ने ऐसे किसी फैसले के दावों को अफवाह बताया है।सपा अध्यक्ष ने रेलवे के इस फैसले को लेकर निशाना साधते हुए एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा-भाजपा जनता के लिए भारी बोझ बन गयी है। जिस दिन भाजपाई भ्रष्टाचार की पोटली को जनता तोल देगी, उस दिन भाजपा पटरी से उतर जाएगी और अब वो दिन बहुत दूर भी नहीं। उन्होंने लिखा कि अब क्या गरीब मजदूर-किसान की थाली का खाना भी भाजपा छीन लेना चाहती है। पैसे की भूखी भाजपा को जो वसूलना है वो एसी-1 और एसी-2 तक के लोगों से वसूले न कि जनरल, स्लीपर या एसी-3 वालों से। अगर भाजपा सरकार के शासनकाल में रेलवे का खज़ाना पूरी तरह खाली हो गया है तो वो अपने सांसदों-विधायकों से कहे कि वो लोग अपने मुफ्त के पास छोड़ दें।

सपा चीफ ने लिखा कि भाजपा के भ्रष्टाचार ने रेलवे को खोखला कर दिया है. ये फ़ैसला वापस नहीं हुआ तो जनता भाजपा की वापसी का टिकट वक्त से पहले काट देगी. जो गरीबों का बोझ न उठा सके ऐसे डबल इंजन पर धिक्कार है। शर्मनाक निर्णय! भाजपा जाए तो रेल पटरी पर आए। चुनाव आयोग ने मऊ विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए मतदाता सूची में संशोधन के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। यह सीट सुभासपा के विधायक अब्बास अंसारी को सजा होने से रिक्त हुई थी। आयोग ने इस क्षेत्र की मतदाता सूचियों में संशोधन के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी कर दिया है। मतदाता सूचियों के प्रारूप का प्रकाशन 2 सितंबर को होगा। दावे और आपत्तियां 2-17 सितंबर के बीच ली जाएंगी। दावों और आपत्तियों पर निर्णय 25 सितंबर तक लिया जाएगा। अंतिम प्रकाशन 30 सितंबर को होगा।

भ्रष्टाचार का एक और अध्याय खोला जा रहा है

कन्नौज सांसद ने लिखा कि रेल में यात्रियों के सामान को तोलने के नाम पर भ्रष्टाचार का एक और अध्याय खोला जा रहा है. ये फैसला गरीबों के खिलाफ है, जो एसी-1 में जा रहा है, उसे क्या फर्क पड़ता है लेकिन, उस गरीब से पूछो जो साल में एक-दो बार घर-गाँव जाता है और वहां से अपने साथ दाल-चावल-राशन बांधकर लाता है।

2022 में जो नाम काटे गए उनके मृत्यु प्रमाण दिखाएं डीएम

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में 2022 के विधानसभा चुनावों में नाम काटने को लेकर हमने जो 18000 शपथपत्र दिए थे, भाजपा सरकार उनमें से एक का भी जवाब सही तरीके से देना नहीं चाहती है। जिलाधिकारी को आगे करके चुनाव आयोग बच नहीं सकता। इस मामले की गहन जांच पड़ताल हो। डीएम दिखाएं कि नाम काटते समय जो मृत्यु प्रमाणपत्र लगाए गए थे वो कहां हैं। अगर ये झूठ नहीं है तो ये सफाई देने में इतने साल क्यों लग गए।

सीईसी की भाषा जिम्मेदार अधिकारी की नहीं, बल्कि एक नेता की थी: चंद्रशेखर

» सेवानिवृत्ति के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल हो सकते है ज्ञानेश कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगीना लोकसभा क्षेत्र से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आजाद ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त सेवानिवृत्ति के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बिहार में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले जारी स्ढ्क्रपर सवाल उठाते हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों पर भी संदेह जताया है।

सांसद चंद्रशेखर आजाद ने संसद परिसर में मुख्य चुनाव आयुक्त पर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उनकी भाषा एक जिम्मेदार अधिकारी की नहीं, बल्कि एक नेता की थी। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि लोकसभा चुनाव के बाद यह प्रक्रिया क्यों हो रही है। आजाद ने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव के बाद यह प्रक्रिया हो रही है, तो क्या लोकसभा चुनाव में रिपोर्ट गलत थी, या अब गलत है? उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या चुनाव को प्रभावित करने के लिए ऐसा किया गया? किसी भी चुनाव से पहले मतदाता सूची की जांच होती है। बिहार में लोकसभा चुनाव हुए और उसके ठीक एक साल बाद आप 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा देते हैं, तो सवाल उठता है कि क्या आपकी रिपोर्ट तब गलत थी या अब गलत है? क्या विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने के लिए ऐसा किया गया है? आजाद ने चुनाव आयुक्त की जवाबदेही पर भी प्रश्नचिह्न लगाया।

उन्होंने कहा कि देश यह देख रहा है कि चुनाव आयुक्त कब जवाबदेह होंगे और कब डेटा देंगे। मैं दावे के साथ कह रहा हूं कि सेवानिवृत्ति के बाद वह किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाएंगे। आजाद ने यह भी दावा किया कि चुनाव आयुक्त सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद एक राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि उनकी भाषा एक जिम्मेदार अधिकारी की नहीं बल्कि एक नेता की थी। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि चुनाव आयुक्त अपनी सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद एक राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगे क्योंकि उनकी भाषा एक जिम्मेदार अधिकारी की नहीं बल्कि एक नेता की थी। सवाल यह है कि चुनाव आयुक्त कब जवाबदेह होंगे, कब वह डेटा देंगे, देश यह देख रहा है।

पैसे देकर जमीन खरीदना कोई अपराध नहीं है: राबड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन देने के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की ओर से दलीलें सुनीं।

» जमीन के बदले नौकरी मामले में कोर्ट ने सुनीं दलीलें

सुनवाई के दौरान राबड़ी देवी ने दलील दी कि उन्होंने जमीन खरीदी और उसके लिए पैसे दिए।

उन्होंने कहा कि पैसे देकर जमीन खरीदना कोई अपराध नहीं है। किसी भी आरोपी को कोई फायदा नहीं पहुंचाया गया। इन लेन-देन का आपस में कोई संबंध नहीं है। उनके वकील ने कहा कि सीबीआई को यह साबित करना होगा कि भ्रष्टाचार हुआ था। अदालत कल, 20 अगस्त को आरोपों पर दलीलें सुनेगी।

बीएमसी चुनाव से पहले राज व उद्धव को झटका

बेस्ट चुनाव में बुरी तरह फेल हुए दोनों भाई, सारी सीटें हारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

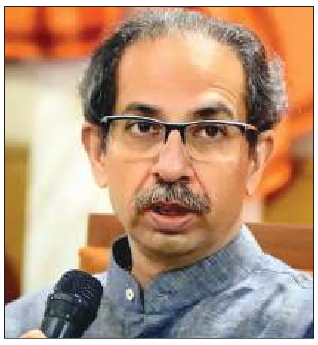

मुंबई। बीएमसी समेत महाराष्ट्र में निकाय चुनाव होने हैं। निकाय चुनाव में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना मिलकर मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। निकाय चुनाव से पहले ठाकरे ब्रदर्स ने महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) लड़ा। इस चुनाव को उनका टेस्ट बताया जा रहा था, जिसमें वे फेल हो गए हैं।

बेस्ट से जुड़ी कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी के चुनाव शिवसेना और एमएनएस का पैनल 21 सीटों पर चुनाव लड़ा था और वे सभी 21 सीटों पर हार गए हैं। इस चुनाव के लिए दोनों पार्टियों के साथ आने के बाद से उनके बीच पूरे महाराष्ट्र में गठबंधन की चर्चा तेज हो गयी है। बेस्ट कामगार सेना (शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे से संबद्ध) के अध्यक्ष सुहास सामंत ने कहा कि उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे गठबंधन के सभी 21 उम्मीदवारों की हार हैरान कर देनेवाली है। एमएनएस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना यह चुनाव लड़ने के लिए साथ आए थे। 20 साल बाद साथ आए ठाकरे ब्रदर्स का यह पहला चुनाव था, जो वे साथ मिलकर लड़े। हालांकि उन्हें बुरी हार का सामना करना पड़ा।

बुधवार को रिजल्ट का ऐलान

मुंबई महानगरपालिका के उपक्रम बेस्ट के कर्मचारियों से जुड़ी हाई-प्रोफाइल सहकारी ऋण समिति के चुनाव के लिए सोमवार को मतदान हुआ। मतगणना मंगलवार को शुरू हुई और देर रात तक जारी रही। बुधवार को सभी 21 सीटों के रिजल्ट जारी कर दिए गए। शशांक राव के प्रतिद्वंद्वी पैनल ने सबसे ज्यादा 14 सीटें जीतीं हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

राज्यों की शक्तियां वापस पाने के लिए कानूनी कार्रवाई ही एकमात्र समाधान: सीएम स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राज्यों को ''अतिरिक्त शक्तियां दिए जाने की आवश्यकता'' पर बल देते हुए आरोप लगाया कि शिक्षा जैसे मामलों में राज्यों की शक्तियों को हड़पा जा रहा है। स्टालिन ने शक्तियों को ''पुन: प्राप्त करने के लिए'' कानूनी कार्रवाई की वकालत की।

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में कहा कि किसी राज्य सरकार का केंद्र से अपना वाजिब धन पाने के लिए हमेशा संघर्षरत रहना संघवाद के लिए शुभ संकेत नहीं हैं।उन्होंने कहा कि राज्यों की भूमिका और शक्तियों को ''पुन: प्राप्त'' करने के लिए कानूनी कार्रवाई ही एकमात्र समाधान है। उन्होंने कहा कि राज्यों की शक्तियों को ''वापस लेने के लिए'' कानूनी कार्रवाई को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रारंभिक कदम उठाने का समय आ गया है। वहीं तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के विरोध के बीच राज्य शिक्षा नीति (एसईपी) जारी करने के डीएमके सरकार के कदम की सराहना की।

उन्होंने शिक्षा को राज्य सूची में वापस लाने की मांग की। अन्ना शताब्दी पुस्तकालय सभागार में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा, शिक्षा पहले राज्य सूची में थी, फिर उसे समवर्ती सूची में बदल दिया गया। इसे फिर से राज्य सूची में लाया जाना चाहिए। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य में शिक्षा को नष्ट करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

यूपी पंचायत चुनाव में भरने होंगे घाव!

बसपा और मायावती के लिए अहम, भाजपा व सपा मजबूत, कांग्रेस भी दमदार, गांवों के चुनाव विस चुनाव का सेमीफाइनल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में पंचायत चुनाव होने हैं। भाजपा, सपा समेत सभी दल तैयारी में जुट गए हैं। सभी ने जातिय समीकरणों के साथ तालमेल बिठाना शुरू कर दिया है। सबसे बड़े विपक्षी दल सपा पीडीए के फार्मूले पर काम कर रही है उसमें उसका निशाना सटीक भी लग रहा है। उसकी काट के लिए यूपी की सत्ता पर काबिज भाजपा एकबबार फिर कट्टर हिंदुत्व को आगे करके गांवों में पैठ बनाना चाहती है।

कमोवेश छोटे सियासी दल भी ताल ठोंकने के लिए या तो अकेले लड़ने को तैयार हैं यह किसी राष्ट्रीय दल का झंडा उठाने की जुगत में लग गए हैं। इन सबके बीच सियासी गलियारें में सबसे ज्यादा चर्चा कभी सत्ता के शिखर पर रही बसपा व उसकी सीएम मायावती के भविष्य को लेकर भी है। जो पिछले कई चुनावों से अपने अस्तीत्व की लड़ाई लड़ रहीं हैं। प्रदेश की राजनीति इन दिनों एक बड़े सवाल से जूझ रही है- क्या बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती 2027 के विधानसभा चुनाव में अपने पारंपरिक दलित वोट बैंक को फिर से एकजुट कर पाएँगी, या उनकी राजनीतिक ताक़त का ग्राफ और नीचे खिसकेगा? चार बार मुख्यमंत्री रह चुकीं मायावती भारतीय राजनीति की उन गिनी-चुनी महिला नेताओं में हैं जिन्होंने केवल सत्ता ही नहीं, बल्कि एक सामाजिक समीकरण गढ़ने का हुनर भी दिखाया। लेकिन 2007 के स्वर्णिम काल के बाद बसपा का जनाधार लगातार सिमटता चला गया है।

मायावती की 2007 में हुई थी ऐतिहासिक जीत

2007 का चुनाव मायावती के राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि साबित हुआ। उस साल बसपा ने 206 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। वोट शेयर करीब 30.43प्रतिशत तक पहुँचा। इस जीत की असली कुंजी था मायावती का रंगीन गठबंधन, जहाँ दलितों के साथ-साथ पिछड़ों और सवर्ण समुदाय को भी साधा गया। यही मॉडल उन्हें सत्ता तक ले गया और राजनीति के राष्ट्रीय नक्शे पर मायावती को सबसे मजबूत दलित नेता के रूप में स्थापित कर गया, लेकिन यह ऊँचाई ज्यादा दिन टिकी नहीं।

पंचायत चुनाव में आंकी जाएगी ताकत

उत्तर प्रदेश में इस समय पंचायत चुनाव की गहमागहमी है। सियासी विश्लेषक मानते हैं कि पंचायत चुनावों से 2027 के विधानसभा चुनाव की तस्वीर काफी हद तक साफ हो जाएगी। भाजपा- मजबूत संगठन, दोहरी सरकार (दिल्ली और लखनऊ) की योजनाओं और केंद्र-राज्य के सामंजस्य पर भरोसा। सपा- खेत-खलिहान और गाँव-गाँव तक पहुँच बनाते हुए किसान और नौजवान समुदाय को जोड़ने में व्यस्त। बसपा- पुराने संगठनात्मक ढाँचे और दलित पड़ावों पर केंद्रित रणनीति। कांग्रेस- सीमित जनाधार के बावजूद महिला और युवाओं को टिकट देने की नीति पर काम कर रही है।2021 के पंचायत चुनावों में भाजपा ने जिला पंचायतों में बढ़त बनाई थी, लेकिन ग्राम पंचायत और क्षेत्र पंचायत स्तर पर सपा ने कड़ी चुनौती दी थी। इस बार सब दल इसे 2027 विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल मानकर पूरा जोर लगा रहे हैं।

दलित वोट बैंक अब किसके पास?

बसपा की ताकत हमेशा से दलित वोटरों, खासकर जाटव समुदाय, पर टिकी रही। लेकिन पिछले तीन चुनावों में तस्वीर बदल गई। भाजपा ने सबका साथ, सबका विकास और हिंदुत्व के एजेंडे के साथ गैर-जाटव दलितों को साध लिया।सपा ने पिछड़ों और मुसलमानों के साथ गठजोड़ कर दलित वोटों में भी सेंध लगाई। चंद्रशेखर आज़ाद की आज़ाद समाज पार्टी ने भी युवा दलित मतदाताओं को खींचने में सफलता पाई। नतीजा यह हुआ कि बसपा का पारंपरिक समर्थन आधार बिखर गया और वोट बैंक कई हिस्सों में बंट गया।

2012 से 2022 तक का सफर

- 2012 चुनाव: बसपा सीटों के मामले में 80 तक सिमट गई, वोट शेयर घटकर 25.91 प्रतिशत रह गया।
- 2017 चुनाव: सीटें घटकर केवल 19 और वोट शेयर करीब 22.23त्न तक गिर गया।
- 2022 चुनाव: अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन- पूरे प्रदेश में बसपा सिर्फ 1 सीट जीत पाई और वोट प्रतिशत गिरकर 12.88 फीसदी रह गया। इस लगातार गिरावट ने न सिर्फ बसपा की सियासी ज़मीन को खोखला किया बल्कि उसके पारंपरिक वोट बैंक को भी बिखरा दिया।

नेतृत्व बनाम अस्तित्व की चुनौती से सामना

2022 के बाद से बसपा पर सवाल सिर्फ सत्ता से दूर होने का ही नहीं, बल्कि अस्तित्व का भी है। पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, पर लगातार घटते वोट प्रतिशत से उसका दर्जा भी खतरे में पड़ सकता है। मायावती इस खतरे को भाँपते हुए अब जनता का गठबंधन और बूथ स्तर पर संवाद जैसी रणनीतियाँ अपना रही हैं। ग्राम चुपाल, सामाजिक संतुलन वाले प्रत्याशी और स्थानीय समीकरणों पर ज़ोर—ये 2027 की उनकी तैयारी के संकेत हैं।

चार चुनावों का लेखा-जोखा

चुनाव वर्ष-	बसपा की सीटें	वोट प्रतिशत
2007	206	30.43 प्रतिशत
2012	80	25.91 प्रतिशत
2017	19	22.23 प्रतिशत
2022	1	12.88 प्रतिशत

यह तालिका साफ दिखाती है कि एक दशक में बसपा का ग्राफ लगातार गिरा है।

2027 की सबसे बड़ी चुनौती

दलित पिछड़ों में विश्वास फिर से जगाना। गठबंधन या रंगीन समीकरण की वापसी करना।भाजपा-सपा की सियासी जुगलबंदी में अपनी अलग पहचान बनाना। अगर मायावती इन मोर्चों पर सफल होती हैं तो बसपा को फिर से किंगमेकर या सत्ता की दौड़ में अहम खिलाड़ी बनाया जा सकता है। लेकिन अगर रणनीति जमीन पर असर नहीं दिखा पाई, तो दलित राजनीति पूरी तरह भाजपा और सपा के पक्ष में सरक जाएगी। मायावती के लिए 2027 का विधानसभा चुनाव सिर्फ सत्ता में वापसी का नहीं, बल्कि राजनीतिक अस्तित्व का सवाल बन गया है। पार्टी को या तो 2007 जैसा जादू फिर से दिखाना होगा, या फिर इतिहास उन्हें एक दौर की सबसे शक्तिशाली दलित नेता के रूप में ही याद करेगा। पंचायत चुनावों का परिणाम संकेत देगा कि गाँव-गाँव और गली-मुहल्लों में आखिर दलित, पिछड़े और युवा मतदाता किस ओर झुक रहे हैं।

ज्वलंत मुद्दों पर मुखर रहती हैं बसपा सुप्रीमो

समय-समय पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती समाजिक से लेकर वैश्विक व स्थानीय स्तर मुखर रहती हैं। अभी हाल ही में उप्र विधानमंडल का मानसून सत्र संक्षिप्त होने पर अपनी राय दी थी। उन्होंने कहा था कि सत्र छोटा होने के बावजूद केवल औपचारिकता पूरी करने वाला न हो। इसको सही से प्रदेश व जनहित में उपयोगी बनाना जरूरी है। इसके लिए सरकार एवं विपक्ष को अपने राजनीतिक स्वार्थ, द्वेष व कटुता को त्याग कर आगे बढ़ना होगा। बसपा सुप्रीमो ने अपने बयान में कहा कि संसद का मानसून सत्र भी शांतिपूर्ण तरीके से नहीं चलने से वह जन अपेक्षा के अनुसार सही से कार्य नहीं कर पा रहा है। जनता व देश के ज्वलंत मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा नहीं हो पाने से लोगों में चिंता स्वाभाविक है। वैसे भी भारतीय व्यापार पर भारी अमेरिकी टैरिफ से अर्थव्यवस्था व विकास पर जो बुरा प्रभाव पड़ने की आशंका है। इस पर संसद में सही चिंतन करने की जरूरत है, क्योंकि यह देश के अच्छे दिन से जुड़ा मुद्दा है। इसे हल्के में लेकर देश के भविष्य को दांव पर नहीं लगाया जा सकता है। सरकार व विपक्ष दोनों इस पर ध्यान दें। साथ ही मतदाता, मतदाता सूची तथा उसके रिवीजन एवं ईवीएम आदि से संबंधित देश, जनहित एवं लोकतंत्र से जुड़े मामलों में जो बातें चल रही हैं, उन संदेहों को जल्द दूर करना बेहतर होगा।

ओबीसी वोटरों को रिझाने की भी योजना

बसपा सुप्रीमो मायावती ने ओबीसी को अपनी ओर करने केलिए कईबार उनके लिए सरकार व अपने विरोधी पाटियों से भी टक्कर ली। अभी हाल में जब जातिय जनगणना को लेकर कांग्रेस ने ओबीसी राग अलापा तो उन्होंने कांग्रेस पर जोरदार हमला किया था। यही नहीं वह भाजपा सरकार को घेरने का मौका भी नहीं छोड़ती हैं। सोशल मीडिया साइट एक्स पर बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस ओबीसी समाज की विश्वासपात्र पार्टी नहीं है। कांग्रेस के दिल में कुछ है जुबान पर कुछ है। उन्होंने कहा कि एनडीए का भी ओबीसी के प्रति यही हाल है। मायावती के बयान को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान के संदर्भ में देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि सत्ता में रहते हुए जाति जनगणना न करवाना कांग्रेस की गलती थी। आगे उन्होंने ये भी कहा था कि जो काम ओबीसी के लिए अब तक नहीं कर पाया उसे दोगुनी स्पीड से करूंगा। मायावती ने बयान दिया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि देश के विशाल आबादी वाले अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) समाज के लोगों की राजनीतिक व आर्थिक आशा, आकांक्षा व आरक्षण सहित उन्हें उनका सवैधानिक हक़ दिलाने के मामलों में कांग्रेस पार्टी

खरी व विश्वासपात्र नहीं रही है कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह दिल में कुछ व जुबान पर कुछ और जैसी स्वार्थ की राजनीति ज्यादा लगती है। वास्तव में उनका यह बयान उसी तरह से जगजाहिर है जैसाकि देश के करोड़ों शोषित, वंचित व उपेक्षित एससी/एसटी समाज के प्रति कांग्रेस पार्टी का ऐसा ही दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण रवैया लगातार रहा है और जिस कारण ही इन वर्गों के लोगों को फिर अन्ततः अपने आत्मसम्मान व स्वाभिमान तथा अपने पैरों पर खड़े होने की ललक के कारण अलग से अपनी पार्टी बहुजन समाज पार्टी बनानी पड़ी है।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि देश के विशाल आबादी वाले अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) समाज के लोगों की राजनीतिक व आर्थिक आशा, आकांक्षा व आरक्षण सहित उन्हें उनका सवैधानिक हक़ दिलाने के मामलों में कांग्रेस पार्टी खरी व विश्वासपात्र नहीं रही है कोई नई बात नहीं है,कुल मिलाकर इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस पार्टी यूपी सहित देश के प्रमुख राज्यों की सत्ता से लगातार बाहर है और अब सत्ता गंवाने के बाद इन्हें इन वर्गों की याद आने लगी है जिसे इनकी नीयत व नीति में हमेशा खोट रहने की वजह से घड़ियाली आंसू नहीं तो और क्या कहा जाएगा, जबकि वर्तमान हालात में बीजेपी के एनडीए का भी इन वर्गों के प्रति दोहरे चरित्र वाला यही चाल-ढाल लगता है। उन्होंने आगे कहा कि वैसे भी एससी/एसटी वर्गों को आरक्षण का सही से लाभ व संविधान निर्माता परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को भारतरत्न की उपाधि से सम्मानित नहीं करने तथा देश की आजादी के बाद लगभग 40 वर्षों तक ओबीसी वर्गों को आरक्षण की सुविधा नहीं देने तथा सरकारी नौकरियों में इनके पदों को नहीं भरकर उनका भारी बैकलॉग रखने आदि के जातिवादी रवैयों को भला कौन भुला सकता है, जो कि इनका यह अनुचित जातिवादी रवैया अभी भी जारी है। इतना ही नहीं बल्कि इन सभी जातिवादी पार्टियों ने आपस में मिलकर एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण को किसी ना किसी बहाने से एक प्रकार से निष्क्रिय एवं निष्प्रभावी ही बना दिया है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चुप रह जाना कई बार बनती है सबसे बड़ी भूल!

> “अक्सर लोग कहते हैं कि ईश्वर सब देख रहा है या वक्त जवाब देगा और इसी आशा में वे चुप रहते हैं। मगर जब आप चुप रहते हैं, तो लोग उसे स्वीकृति या अपराध की स्वीकृति समझने लगते हैं। यह चुप्पी आपकी गरिमा को कुचल सकती है, आपकी बातों को खो सकती है। समाजशास्त्र कहता है कि समाज में ‘फर्स्ट इम्प्रेशन’की भूमिका बहुत अहम होती है।

आज कल देश में एसआईआर पर माहौल गर्म है। विपक्ष का अरोप है कि चुनाव आयोग ने भाजपा के लिए वोट चोरी करवाई है। हालांकि आयोग ने आरोपों को नकारा है। इनसबके बीच यह चर्चा हो रही है कि कभी-कभी जो सबसे ज्यादा बोलते हैं, वे झूठ को सच बना देते हैं और जो सच में आहत होते हैं, वे चुप रहकर खुद को ही दोषी साबित कर बैठते हैं। यही चुप्पी कई बार सबसे बड़ी भूल बन जाती है। इसलिए विपक्ष द्वारा सत्ता पक्ष से सच पूछना बहुत अच्छे संकेत हैं। बता दें दुर्भाग्यवश, हम जो सुनते और देखते हैं, उसी को सच मान लेते हैं। परिणामस्वरूप, हम अधूरी कहानियों पर पूरी राय बना लेते हैं, यहीं से आरंभ होता है एक सामाजिक भ्रम। एक पारिवारिक संदर्भ से समझें जिसमें एक उदाहरण एक बुजुर्ग दंपति का है, जो समाज में खुद को पीड़ित दर्शाते थे। इससे लोगों की सहानुभूति उनके साथ हो गई। बेटों की आलोचना होने लगी और बहुओं के संस्कारों पर सवाल उठने लगे। वर्षों बाद जब उनकी बेटी ने सच्चाई बताई कि उसके माता-पिता भाइयों की निजी जिंदगी में हस्तक्षेप करते थे। इस तरह कार्यालयों में भी कई बार एक सहकर्मी खुद को शोषित दिखाकर सहानुभूति अर्जित करता है। लेकिन जब सच्चाई सामने आती है कि तब लोगों को यह मानने में समय लगता है कि जिसे अब तक पीड़ित माना गया, वह वास्तव में उत्पीड़न था। अक्सर लोग कहते हैं कि ईश्वर सब देख रहा है या वक्त जवाब देगा और इसी आशा में वे चुप रहते हैं। मगर जब आप चुप रहते हैं, तो लोग उसे स्वीकृति या अपराध की स्वीकृति समझने लगते हैं। यह चुप्पी आपकी गरिमा को कुचल सकती है, आपकी बातों को खो सकती है। यह बात न्याय व्यवस्था पर भी लागू होती है-अदालतों में भी वही सच माना जाता है, जो साबित होता है। कई बार निर्दोष व्यक्ति भी तब तक दोषी माना जाता है, जब तक वह खुद को सिद्ध न कर दे और एक बार छवि बिगड़ जाए, तो समाज उस छवि को ठीक करने में वर्षों लगा देता है। समाजशास्त्र कहता है कि समाज में ‘फर्स्ट इम्प्रेशन’की भूमिका बहुत अहम होती है। जो व्यक्ति पहले अपनी पीड़ा या पक्ष प्रस्तुत करता है, वही सहानुभूति पाता है। इसके पीछे ‘भीड़ मानस’ काम करता है-लोग बिना गहराई में गए बहाव में बह जाते हैं।मनोविज्ञान के अनुसार, जो लोग बार-बार खुद को पीड़ित दिखाते हैं, वे पीड़ित मानसिकता का शिकार हो जाते हैं। वे हर परिस्थिति में खुद को निर्दोष मानते हैं और दोष दूसरों पर डालते हैं। यह एक प्रकार की सहानुभूति की राजनीति है, जो लंबे समय में भ्रम फैलाती है। जो दिखता है, वह सच हो सकता है लेकिन जो नहीं दिखता, वह झूठ नहीं होता। जरूरी है कि हम किसी के बारे में राय बनाने से पहले सभी पक्षों को सुनें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संख्या नियंत्रण के उपाय ही बेहतर समाधान

पंकज चतुर्वेदी

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में कुत्ते के काटने से होने वाले रैबीज से मौत के 36 प्रतिशत मामले भारत में होते हैं। यह संख्या 18,000 से 20,000 तक है। रैबीज से होने वाली मौतों के 30 से 60 प्रतिशत मामलों में पीड़ित की उम्र 15 साल से कम होती है। यह निर्विवाद है कि एक भी व्यक्ति की जान इस तरह जाए तो यह मानवता पर सवाल है और उसे बचाने के लिए सरकार और समाज को कड़े कदम उठाने चाहिए। वहीं डब्ल्यूएचओ की ही रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल शराब के सेवन से लगभग 2,60,000 से ज्यादा लोगों की मौत होती है। यह संख्या 2019 के आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें बताया गया कि शराब सेवन से सबसे ज्यादा प्रभावित 20-39 वर्ष की आयु के युवा हैं। इनमें शराब के सेवन के चलते लीवर, दिल, कैंसर व दुर्घटनाओं से जुड़ी मौतें शामिल होती हैं। भारत में हर साल तंबाकू और गुटखा सेवन के चलते बीमारियों से लगभग 13.5 लाख लोगों की मृत्यु होती है यानी औसतन प्रतिदिन 3,700 से अधिक मौतें।

सवाल उठना लाजिमी है कि समाज के जो कथित जिम्मेदार लोग कभी शराब और गुटखे पर पूरी पाबंदी के लिए कोर्ट तो क्या अपने मोहल्ले में खड़े नहीं हुए, उन्हें कुत्तों से अचानक इतनी नफरत क्यों हो गई। जबकि मनुष्य ने धरती पर पैदा होने के बाद सबसे पहले कुत्ता पालना शुरू किया था। बता दें कि नव पाषाण काल करीब 4000-2500 ईसा पूर्व के मानव कंकाल के साथ कुत्ता दफनाने के साक्ष्य बुर्जहोम, जम्मू-कश्मीर से प्राप्त हुए हैं। आदिकाल में कुत्ता इंसान को शिकार करने में मदद करता था, घर व फसल की रखवाली करता था। कम भोजन में भी वफादार बने रहने के उसके गुण ने आज कुत्ते को इंसान द्वारा पाला जाने वाला सबसे विश्वस्त और सर्वाधिक संख्या वाला जानवर बना दिया। ‘बैलों के गले में जब घुंघरू जीवन का राग...’ यह गीत कोई बहुत पुराना नहीं। तब बैल घर की प्रतिष्ठा और दरवाजे पर बंधी गाय पवित्रता की प्रतीक होती थी। फिर धीरे से ट्रैक्टर आया, जब जमीन की जोत छोटी हो गई और ट्रैक्टर नाम का ‘हाथी’ दरवाजे बंध गया तो खेती घाटे का सौदा हुई। बैल लुप्त हुए और गाय निराश्रित, जिन लोगों ने गाय को दरवाजे से हटाकर गोशाला ले जाने

को पावन कार्य बनाया, वही वर्ग अब सड़कों से कुत्ते हटाने के तर्क गढ़ रहा है। ये वही वर्ग है जो सरकार की उस योजना का समर्थक है जिसमें प्रकृति के नियमों के विरुद्ध केवल बछिया ही पैदा करने के सीरम गांव-गांव बांटे जाते हैं। हालात ये हैं कि सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही 16 लाख से अधिक निराश्रित गायें हैं। पूरे भारत में निराश्रित गायों की सटीक संख्या के लिए राष्ट्रीय पशुगणना 2025 के नतीजों की प्रतीक्षा है, लेकिन अलग-अलग राज्य की रिपोर्ट्स के अनुसार यह संख्या 50 लाख से अधिक मानी जाती है। गोशालाओं की संख्या इसकी तुलना में मामूली है। जो हैं भी, उनमें अधिकांश अव्यवस्था की शिकार हैं। क्या कभी विचार किया गया कि जलवायु परिवर्तन, खासकर बहुत तीखी गर्मी और अचानक बहुत तेज बरसात का असर सीधा अन्य जानवरों समेत इन बेसहारा कुत्तों पर भी पड़ रहा है। जब इंसान इस इतने बड़े बदलाव को समझ नहीं पा रहा तो जाहिर है कुत्तों को इसके साथ सामंजस्य बैठाने में समय तो लगेगा ही। जब मौसम की मार में इंसान भी उन पर क्रोध दिखाता है तो उनका जानवरपन उभर आता है। इसके साथ ही शहरीकरण के चलते बढ़ते जा रहे ट्रैफिक के शोर, प्रदूषण, बेतरतीब पड़े कचरे से मांसाहारी खाने और परिसरों में रोशनी की चकाचौंध ने भी कुत्तों को असहज बना दिया है।

बीते छह अगस्त को ही दिल्ली हाईकोर्ट के उस निर्देश पर भी विचार करना होगा जिसमें जज साहब ने कहा था कि ‘कुत्ते दुनिया के सबसे प्यारे जानवर हैं और इंसानों के सबसे अच्छे दोस्त हैं। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कुत्तों की सुरक्षा की जाए और उन्हें सम्मान दिया जाए। या तो कुत्ते घर पर हों या आश्रय में। सड़कों पर कचरा खाते हुए नहीं... ।’ वहीं इंसान की कुत्तों के प्रति बढ़ रही नफरत के मद्देनजर उत्तराखंड हाईकोर्ट का जुलाई, 2018 में दिया गया वह आदेश भी ध्यान देने योग्य है जिसमें लिखा था ‘जानवरों को भी इंसान की तरह जीने का हक है। वे भी सुरक्षा, स्वास्थ्य के लिए और क्रूरता के विरुद्ध इंसान जैसे ही अधिकार रखते हैं।’

फिलहाल तो लगता है जैसे देश में और कोई बड़ी समस्या रह नहीं गई हो। कुछ लोग कुत्तों को हटाने को लेकर एक से बढ़कर एक तर्क गढ़ रहे हैं, मसलन, एक ने कहा कि कुत्ते नहीं होंगे तो सफाई रहेगी। यहां जवाब है कि रेल या मोहल्ले के सार्वजनिक शौचालय में तोड़फोड़, चोरी और सलीके से इस्तेमाल न कर गंदा करने कुत्ते नहीं आते। क्या घर के बाहर पोलीथिन समेत कूड़ा, चलती कार से चिप्स पैकेट या केले का छिलका वे नहीं फेंकते हैं।

धरती पर सभी जीवों की संख्या पर नियंत्रण जरूरी है लेकिन उसके लिए अमानवीय तरीकों, और क्रूरता का सहारा लेने का सुझाव देने वाले भी सही नहीं कहे जा सकते। दूसरी ओर, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश से असहमत हैं उन्हें भी निराश्रित कुत्तों के बंध्याकरण और टीकाकरण की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। यदि कुत्तों का टीकाकरण, नसबंदी, उसकी जानकारी उनके पट्टे में दर्ज करने जैसे सामान्य उपाय नागरिक समाज कर ले तो इस समस्या का निराकरण संभव है।

ओवरटूरिज्म के खिलाफ मुखर स्थानीय विरोध

वीरेंद्र कुमार पैनुली

निस्संदेह, टूरिज्म हो या ओवरटूरिज्म, इससे देशों, राज्यों, नगरों या गांवों की आर्थिकी बढ़ने की संभावनाएं रहती ही हैं। मगर पूरे विश्व में सभी देशों के स्थानीय निवासी ओवरटूरिज्म से खुश नहीं हैं। विशेषकर यूरोप में लोकप्रिय पर्यटक नगरों में अतिशय पर्यटन का विरोध हो रहा है। भारतीय पर्यटन नगरियों में भी पर्यटकों की भारी भीड़, उनके व्यवहार, जाम, उपभोक्ता सामग्रियों की बढ़ती मांग और कूड़ा-कचरे के अंबार के कारण भारत भी देर-सबेर ओवरटूरिज्म के विरोध से अछूता नहीं रहेगा। यूरोप में ओवरटूरिज्म का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे घरों के किराए बढ़ गए हैं, हमारी गलियां भीड़भरी हो गई हैं और स्थानीय संस्कृति का क्षरण हो रहा है। भारत में भी अत्यधिक पर्यटनग्रस्त नगरों के नागरिक ऐसा अनुभव कर रहे हैं।

दरअसल, ओवरटूरिज्म की असली कीमत स्थानीय लोग चुका रहे हैं। जाम में फंसकर हर काम में अतिरिक्त समय लग रहा है। आने-जाने में देरी से जरूरी काम छूट जाते हैं या टालने पड़ते हैं, जिससे आर्थिक हानि होती है और मानसिक तनाव भी बढ़ता है। यह वह लागत है, जो पर्यटन से होने वाली आय का बखान करने वाली सरकारों और हितधारकों के आकलन में शामिल नहीं होती। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, शिमला में 20 से 23 जून के बीच 60,000 पर्यटक वाहन नगर में दाखिल हुए। इसी प्रकार, जून, 2025 में देहरादून से मसूरी मार्ग पर सामान्य दिनों में जहां प्रतिदिन 4,000 से 8,000 वाहन चलते थे, वहीं अब सप्ताहांत में यह संख्या 15,000 तक पहुंच रही है।

यूरोप में ओवरटूरिज्म के खिलाफ आंदोलन तेज हो गया है, विशेषकर इटली, स्पेन और पुर्तगाल में यह विरोध जोर पकड़ रहा है। ‘घर जाओ पर्यटक’, ‘एक पर्यटक का बढ़ना, एक स्थानीय का कम होना’ जैसे पोस्टर आम हो गए हैं। लोगों का कहना है कि उनका जीवन दूभर हो गया है। इसके अलावा बड़े-बड़े होटलों के निर्माण और विस्तार का विरोध हो रहा है। 15 जून को यूरोप के कई हिस्सों में बड़े विरोध-प्रदर्शन हुए। बार्सिलोना इन प्रदर्शनों का प्रमुख केंद्र बन चुका है। वहां प्रदर्शनकारियों ने वाटर गनों से पर्यटकों को निशाना बनाया। बार्सिलोना की जनसंख्या मात्र 16 लाख है, जबकि 2024 में वहां 2.6 करोड़ पर्यटक आए। लोग कह रहे हैं कि अब जहां नज़र डालें, वहां पर्यटक ही दिखते हैं। ‘आपका सामना ऐसे लोगों से होता है, जिन्हें आप नहीं जानते और जो आपको नहीं जानते,’— स्थिति असहायता का भाव पैदा करती है।

पिछले वर्ष यूरोप में कुल 7470 लाख पर्यटक आए। ग्रीस में देश की जनसंख्या से चार गुना अधिक पर्यटक पहुंचे। अधिकांश प्रमुख पर्यटक शहरों में स्थानीय जनसंख्या से सात-आठ गुना अधिक पर्यटक आ रहे हैं, जिससे सामाजिक, सांस्कृतिक और बुनियादी ढांचे पर भारी दबाव है। भारत में भी यात्रियों के पारंपरिक मूल्यों की दृष्टि से अनुचित आचरण और व्यवहार से समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। उत्तराखंड के समाज विज्ञानियों का कहना है कि इस साल के टूरिस्ट सीजन और चारधाम यात्रा के दौरान प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से जो वीडियो, तस्वीरें और खबरें सामने आईं, वे दर्शाती हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर गुंडागर्दी, सड़कों पर हादसे, शराब और ड्रग्स का सेवन व अपराध तेजी से बढ़े हैं। केरल के वायनाड जिले में एक बांध के पास के गांवों के किसान रील बनाने आने वाली उद्दंड पर्यटक भीड़ से परेशान हैं। उन्होंने प्रशासन से इस पर रोक लगाने की मांग की है। वे कहते हैं कि इससे खेतों को नुकसान हुआ है और निजता का भी उल्लंघन हुआ है।

पर्यटकों के मनमाने ढंग से जहां-तहां रुकने और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी से पर्यटक मार्गों पर दुर्घटनाओं का जोखिम लगातार बढ़ रहा है। सड़क मार्ग पर लगने वाला जाम तो ओवरटूरिज्म की शुरुआत भर है। इसका असली असर तब दिखता है जब कोई पर्यटक नगरी के भीतर जाकर प्रमुख पर्यटन स्थलों-जैसे झीलों, झरनों, नदियों, पार्कों या म्यूजियमों में पहुंचता है। वहां की भीड़, शोरगुल और प्रदूषण स्थानीय पर्यावरण और शांति को गहरे प्रभावित करते हैं। हजारों पर्यटकों और सैकड़ों वाहनों की आवाजाही से न तो शांति रह गई है, न ही स्वच्छ वायु। प्लास्टिक कचरा और अन्य प्रदूषण अलग से संकट पैदा कर रहे हैं।

सरकारें कैसे सोचती हैं कि स्थानीय लोग थोड़े आर्थिक लाभ के लिए अपनी शांति और पर्यावरण का बलिदान देने को तैयार रहेंगे? मान लिया जाए कि पर्यटन से पैसा आता है, पर वह लाभ मुख्यत: बाजार के कुछ दुकानदारों तक ही सीमित रहता है। ये दुकानदार, सामान की कमी बताकर ओवर रेटिंग करते हैं और ज्यादा मुनाफा कमाते हैं। इन ऊंची कीमतों का असर केवल पर्यटकों पर ही नहीं, बल्कि वहीं रहने वाले स्थानीय लोगों पर भी पड़ता है। होटल व्यवसायी महंगे सामान खरीदकर उसका खर्च पर्यटकों से वसूल सकते हैं, लेकिन घर चलाने वाली एक आम गृहिणी के लिए यह महंगाई एक बड़ा बोझ बन जाती है। वह परिवार की जरूरतें पूरी करने हेतु खरीदारी करती है।

पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता भार ओवरटूरिज़्म का एक गंभीर पहलू है। यह समस्या केवल हिमालयी राज्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में भी देखी जा रही है। भारत के पहाड़ी या पठारी क्षेत्रों, जो अधिकतर ईको-संवेदनशील हैं, पर भी ओवरटूरिज़्म का दबाव स्पष्ट दिखा है। केरल के वायनाड जैसे क्षेत्र, जो भूस्खलन व वन्यजीवों के आक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील हैं, वहां भी अनियंत्रित पर्यटक गतिविधियां चिंता का विषय बनी हुई हैं। तमिलनाडु के पहाड़ी स्थलों पर प्रतिदिन लगभग 20,000 वाहन पहुंच रहे हैं, जिससे नीलगिरी जैसे क्षेत्रों में सूखे और पर्यावरणीय असंतुलन की स्थिति बन रही है। कोर्ट के निर्देशों के तहत यहां ई-पास प्रणाली लागू करके पर्यटकों की संख्या सीमित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

हल्दी और दूध

हल्दी में मौजूद करक्यूमिन में एंटी इंफ्लेमेटरी और दर्द निवारक गुण होता है। एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाकर रात को सोने से पहले पिएं। यह जोड़ों की सूजन और दर्द को कम करता है। नियमित सेवन से आर्थराइटिस के लक्षणों में सुधार हो सकता है। इसके अलावा हल्दी इम्यूनिटी बूस्टर के रूप में काम करता है। हल्दी में पाए जाने वाले कर्क्यूमिन एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होता है। इसलिए नियमित रूप से हल्दी वाला दूध पीने से इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

गर्म और ठंडी सिकाई

गर्म सिकाई और ठंडी सिकाई दर्द दूर करने का नैचुरल तरीका है, लेकिन आपके लिए कौन-सा तरीका ठीक है ये आपके दर्द और चोट पर निर्भर करता है। जोड़ों के दर्द में गर्म और ठंडी सिकाई बहुत प्रभावी है। गर्म सिकाई मांसपेशियों को आराम देती है और अकड़न कम करती है, जबकि ठंडी सिकाई सूजन को नियंत्रित करती है। 15 मिनट तक गर्म पानी की बोतल से सिकाई करें, फिर 10 मिनट तक बर्फ की थैली का उपयोग करें। इसे दिन में दो बार करें। आर्थराइटिस के रोगियों को डॉक्टर की सलाह पर नियमित रूप से इस उपाय को प्रयोग में लाना चाहिए।

ओमेगा-3 युक्त आहार

अलसी के बीज, अखरोट और मछली जैसे ओमेगा-3 युक्त खाद्य पदार्थ शरीर के जोड़ों की सूजन को कम करते हैं। शाकाहारी लोग अलसी का तेल या बीज अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा, हरी सब्जियां और फल भी पोषण प्रदान करते हैं।

जोड़ों के दर्द में इन घरेलू उपायों से मिलेगा जल्द आराम

आर्थराइटिस, जिसे जोड़ों का दर्द या गठिया भी कहा जाता है, एक ऐसी स्थिति है जो जोड़ों में सूजन और दर्द का कारण बनती है। यह समस्या खासकर अधिक उम्र के लोगों और कभी-कभी युवाओं में भी देखी जाती है। आर्थराइटिस होने के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख कारण की बात की जाए तो जोड़ों पर अत्यधिक दबाव, चोट, ऑटोइम्यून विकार, और खराब जीवनशैली शामिल हैं। आर्थराइटिस की समस्या के कारण चलना-उठना और जीवन के सामान्य कार्यों को करना भी मुश्किल हो जाता है। इसके कुछ लक्षण की अगर बात की जाए तो जोड़ों में दर्द, सूजन, अकड़न और गतिशीलता में कमी हो सकती है। वैसे तो डॉक्टर से संपर्क करके सही उपचार करना जरूरी है, लेकिन कुछ घरेलू उपाय आर्थराइटिस के दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं।

नियमित व्यायाम और मालिश

हल्का व्यायाम, जैसे योग, तैराकी या पैदल चलना, जोड़ों को लचीला बनाता है। ताड़ासन और भुजंगासन जैसे योगासन विशेष रूप से लाभकारी हैं। साथ ही, नारियल या सरसों के तेल से जोड़ों की मालिश करें। तेल में लहसुन या अदरक का रस मिलाने से और लाभ मिलता है। मालिश रक्त संचार को बढ़ाती है और दर्द से राहत देती है।

हंसना मना है

एक व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति- बचाओ गणेश जी बचाओ.. गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति- आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी- तू भी मेरे विसर्जन में बहुत नाचता है।

डॉक्टर- अब क्या हाल है? मरीज- पहले से ज्यादा खराब है। डॉक्टर- दवाई खाली थी क्या? मरीज- नहीं दवाई की शीशी तो भरी हुई थी। डॉक्टर- मेरा मतलब दवाई लेली थी? मरीज- आप ने दी तो मैंने लेली। डॉक्टर- बेवकूफ दवाई पिली थी? मरीज- नहीं दवाई तो लाल थी। डॉक्टर- गधे दवाई को पीलिया था? मरीज- नहीं जी पीलिया तो मुझे था।

पिंकी बहुत तेजी से स्कुटी चला रही थी, और उसने रेड लाइट क्रॉस कर दी.. ट्रैफिक पुलिस- चलो स्कुटी साइड में खड़ी करो, तुम्हारा चालान कटेगा। पिंकी- सर मुझे माफ कर दो ट्रैफिक पुलिस- तुम्हें रेड लाइट नहीं दिखी थी क्या? पिंकी- दिखी तो थी पर आप नहीं दिखे, न जाने कहां छुप कर बैठे थे।

पत्नी- मैं घर छोड़कर जा रही हूं। पति- हां जान छोड़ो अब। पत्नी- बस आपकी यही जान कहने की आदत ना हमेशा मुझे रोक लेती है।

कहानी | बुरे समय में कृतज्ञता ना छोड़ें

एक शिकारी ने शिकार पर तीर चलाया। तीर पर खतरनाक जहर लगा हुआ था। तीर शिकार की जगह एक फले-फूले पेड़ में जा लगा। पेड़ सूखने लगा। उस पर रहने वाले सभी पक्षी एक-एक कर उसे छोड़ गए। पेड़ के कोटर में एक धर्मात्मा तोता बहुत बरसों से रह करता था। तोता पेड़ छोड़ कर नहीं गया, बल्कि अब तो वह ज्यादातर समय पेड़ पर ही रहता। दाना-पानी न मिलने से तोता भी सूख कर कांटा हुआ जा रहा था। बात देवराज इंद्र तक पहुंची। मरते वृक्ष के लिए अपने प्राण दे रहे तोते को देखने के लिए इंद्र स्वयं वहां आए। धर्मात्मा तोते ने उन्हें पहली नजर में ही पहचान लिया। इंद्र देव ने कहा- देखो भाई इस पेड़ पर न पत्ते हैं, न फूल, न फल। अब इसके दोबारा हरे होने की कौन कहे, बचने की भी कोई उम्मीद नहीं है। जंगल में कई ऐसे पेड़ हैं, जिनके बड़े-बड़े कोटर पत्तों से ढके हैं। पेड़ फल-फूल से भी लदे हैं। वहां से सरोवर भी पास है। तुम इस पेड़ पर क्या कर रहे हो, वहां क्यों नहीं चले जाते? तोते ने जवाब दिया- देवराज, मैं इसी पर जन्मा, इसी पर बड़ा हुआ, इसके मीठे फल खाए। इसने मुझे दुश्मनों से कई बार बचाया। इसके साथ मैंने सुख भोगे हैं। आज इस पर बुरा वक्त आया तो मैं अपने सुख के लिए इसे त्याग दूं? जिसके साथ सुख भोगे, दुख भी उसके साथ भोगूंगा, मुझे इसमें आनंद है। आप देवता होकर भी मुझे ऐसी बुरी सलाह क्यों दे रहे हैं? तोते की दो-टूक सुन कर इंद्र प्रसन्न हुए, बोले- मैं तुमसे प्रसन्न हूं, कोई वर मांग लो। तोता बोला- मेरे इस प्यारे पेड़ को पहले की तरह ही हरा-भरा कर दीजिए। देवराज ने पेड़ को न सिर्फ अमृत से सींच दिया। पेड़ में नई कोंपलें फूटीं। उसमें खूब फल भी लग गए। तोता उस पर बहुत दिनों तक रहा, मरने के बाद देवलोक को चला गया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ — दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी।

मिथुन — जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कर्क — भाग्य का साथ मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी।

सिंह — शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या — संतान पक्ष से स्वास्थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

तुला — थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक — प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें।

धनु — कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मकर — कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं।

कुम्भ — आंखों को रोग व चोट से बचाएं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

मीन — आज भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरा मन है कि मैं कृष्ण का रोल निभाऊं: आशुतोष

फिल्मों में और थिएटर में अपनी गहरी छाप छोड़ चुके अभिनेता आशुतोष राणा इन दिनों नाटक 'हमारे राम' और फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' को लेकर चर्चा में हैं। अपने शानदार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले राणा ने खुलकर बात की। आपका नाटक 'हमारे राम' देशभर में काफी सराहा जा रहा है। इसकी सफलता को आप कैसे देखते हैं? भगवान की कृपा से सिर्फ 14 महीनों में हमने पूरे देश में 260 शोज कर लिए हैं और 16 राज्यों तक पहुंच चुके हैं। थिएटर के इतिहास में इतनी जल्दी इतने शोज मिलना बहुत बड़ी उपलब्धि है। रामायण इतनी विशाल है कि उस पर दस फिल्में भी बनें तो कम हैं, दस धारावाहिक भी आएं तो भी कम हैं। हम पहली बार दुबई गए और वहां भी शो हाउसफुल रहे। ऑडियंस का जो प्यार मिला है, उससे लगता है जैसे किसी बड़ी फिल्म को जब अपार सफलता मिलती है, वैसा ही अपनापन हमारे नाटक को भी मिला है। आपने कई यादगार भूमिकाएं निभाई हैं। कौन-से ड्रीम रोल्स हैं जिन्हें अभी निभाने की चाहत है? रावण का किरदार तो मैंने कर लिया। अब मेरा मन है कि मैं कृष्ण का रोल निभाऊं। कृष्ण सिर्फ भगवान ही नहीं, बल्कि गहरे विचारों वाले और जीवन को दिशा देने वाले इंसान भी हैं। उनके ऊपर कई किताबें लिखी गई हैं और उन पर काम करना मेरे लिए बहुत दिलचस्प होगा। इसी तरह मैं चाणक्य का किरदार करना चाहता हूं। उनका उनका ज्ञान और उनकी नीतियां आज भी उतनी ही काम की हैं। कर्ण का रोल भी मेरे दिल के बहुत करीब है ... वो महाभारत का सबसे दुखद लेकिन महान योद्धा है। और अगर मौका मिला तो परशुराम भी करना चाहूंगा, जिनमें शक्ति और तपस्या दोनों का अद्भुत संगम है। ये सब किरदार भारतीय संस्कृति और इतिहास के ऐसे प्रतीक हैं जो समाज को दिशा देते हैं। इन भूमिकाओं को निभाना मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी। मैं तो यही प्रार्थना करता हूं कि ये ख्वाहिशें मेरी जरूरत बनकर पूरी हों। और इस सफर की शुरुआत रावण से हो चुकी है। इस फिल्म में आपने नए कलाकारों के साथ भी काम किया।

मनिका बनीं मिस यूनिवर्स इंडिया

मनिका विश्वकर्मा का सपना सच हो गया। वह मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 बन चुकी है। इस साल के आखिर में वह थाईलैंड में होने वाले 74वें मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस ब्यूटी पेजेंट ने मनिका विश्वकर्मा का जीवन बदल दिया, उन्हें अधिक आत्मविश्वासी बना दिया है। मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का ताज सिर पर सजने के बाद मनिका विश्वकर्मा कहती हैं, 'मेरा सफर शहर गंगानगर से शुरू हुआ। मैं दिल्ली आई और इस ब्यूटी कॉम्पिटिशन की तैयारी की। मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करती हूं जिन्होंने मेरी मदद की और मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया। यह ब्यूटी कॉम्पिटिशन एक खास दुनिया है, यहां हमारे अलग ही पर्सनालिटी, कैरेक्टर डेवलप होता है। यह जिम्मेदारी एक साल भर की नहीं, जिंदगी भर के लिए मेरे साथ रहेगी।' मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 की ज्यूरी मेंबर के तौर पर एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला भी इवेंट में मौजूद थीं। वह मनिका विश्वकर्मा की जीत पर खुश हैं। उर्वशी कहती हैं, 'कॉम्पिटिशन बहुत मुश्किल था, लेकिन विनर हमारे साथ है। हमें बहुत खुशी है कि मनिका विनर बनीं। अब वह मिस यूनिवर्स में हमें जरूर गर्व करने का मौका देंगी।' बता दें 18 अगस्त 2025 को जयपुर, राजस्थान में आयोजित एक शानदार समारोह में मनिका विश्वकर्मा को मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 का ताज पहनाया गया। मनिका को यह ताज पिछली वर्ष की विजेता मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा ने पहनाया। मनिका विश्वकर्मा का जन्म राजस्थान के श्री गंगानगर में हुआ, लेकिन वर्तमान में वह दिल्ली में रहती हैं। वह पॉलिटिकल साइंस और इकोनॉमिक्स की फाइनल ईयर की छात्रा हैं। मनिका ने पिछले साल मिस यूनिवर्स राजस्थान का खिताब जीता था, जिसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित की।

बोलीं- यह जिम्मेदारी जिंदगी भर के लिए मेरे साथ रहेगी

दृष्टिहीन लोगों के लिए हुआ द ग्रेट इंडियन कपिल शो, कॉमेडियन बोले-

मुझे इस स्क्रीनिंग से खुशी हो रही है

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा का शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो हमेशा दर्शकों के लिए हंसी का शानदार डोज लेकर आता है। इस बार इस शो को समाज के हर तपके तक पहुंचाने का काम किया गया है। नेटफ्लिक्स ने नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के साथ मिलकर दृष्टिहीन लोगों के लिए 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' की एक स्पेशल प्री-रिलीज स्क्रीनिंग आयोजित की, जिसमें शो के सभी कलाकार शामिल रहे। आपको बताते चलें कि इस स्पेशल स्क्रीनिंग में ऑडियो का खासा ध्यान रखा गया, क्योंकि दृष्टिबाधित व्यक्ति इसी के जरिए शो को पूरी तरह से एंजाय कर सकते हैं। मुंबई में नेटफ्लिक्स कार्यालय में आयोजित हुए इस स्क्रीनिंग में कपिल शर्मा, सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा और अर्चना पूरन सिंह सहित शो के कलाकार शामिल रहे। कॉमेडियन कपिल शर्मा ने इस स्पेशल स्क्रीनिंग पर कहा, 'कलाकारों के लिए इससे ज्यादा खुशी की बात और कुछ नहीं हो सकती कि आपका काम ज्यादा लोगों के दिलों तक पहुंचे। इस स्पेशल स्क्रीनिंग का हिस्सा बनना, जहां हर मजाक और हर पल को समान रूप से महसूस और अनुभव किया जा सकता है। मुझे इसका हिस्सा बनकर वाकई खुशी हो रही है।' वहीं नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड के महासचिव ने कहा, मनोरंजन सभी के लिए होना चाहिए और जब ओटीटी प्लेटफॉर्म इसे प्राथमिकता देते हैं, तो यह हमारे समुदाय के लिए मनोरंजन की एक नई दुनिया खोल देता है। ऑडियो विवरण एक विशेषता से कहीं बढ़कर है। हम इस सहयोग की सराहना करते हैं और भविष्य में ऐसी कई और पहल देखने की उम्मीद करते हैं।'

फैशन के नाम पर शख्स ने पहनी मछलियों की ड्रेस, पर्स और नेकलेस

ज्यादा सालों पहले की बात नहीं है। कहा जाने लगा था कि लड़के लड़कियों का फैशन मिक्स हो रहा है। लड़के लड़की बनना चाहते हैं और लड़कियां लड़का बनना चाहती हैं। पर सोशल मीडिया के आने के बाद से इस धारणा में भी बदलाव होता दिख रहा है। कई लोग फैशन के चलते नहीं, बल्कि केवल सोशल मीडिया पर चर्चित होने के लिए अजीब अजीब तरह की पोशाक और पहनावा अपनाते हैं और उनकी रील सोशल मीडिया पर डालते हैं। पर यह शगल केवल इन्फ्लूएंसर्स तक सीमित नहीं है। एक वायरल वीडियो में एक शख्स मछलियों की पोशाक बना कर दिखा है और उसकी पोशाक भी लड़कियों की पोशाक तरह दिख रही है। वीडियो में हम देखते हैं कि एक शख्स लड़कियों वाली ड्रेस पहने खड़ा है। पूरी तरह से केवल मछलियों से बनी यह मॉडर्न ड्रेस ऐसी है जिसमें बाहें और कंधे खुले दिख रहे हैं। गले में नेकलेस है जो कुछ छोटी मछलियों से बना है। इसके अलावा ईयर रिंग भी छोटी मछलियों से बनी है। वहीं शख्स के हाथ में जो पर्स है वह भी एक बड़ी सी मछली से बना है। वीडियो में बॉलीवुड फिल्म ओम शांति ओम के मशहूर गाने, मैं अगर कहूं। की धुन बज रहा है। हाव भाव से तो शख्स पूरी तरह से महिला नजर आ रहा है, लेकिन उसकी मूंछे उसकी मूल शख्सियत को छिपा नही पाती हैं। इतना ही नहीं शख्स ने ना तो मूंछे हटाई हैं और ना ही अपने हेयर स्टाइल में किसी तरह का बदलाव कर महिला दिखने की कोशिश की है। फिर भी हावभाव में महिला का अंदाज लाने में वह सफल रहा है। सोशल मीडिया पर कई लोग अजीब अजीब तरह की पोशाकों को लेकर प्रयोग करते रहते हैं। ऐसे ही बिहार की एक लड़की केवल सब्जियों की पोशाक पहन कर अपने वीडियो शेयर करती है। लेकिन यह शख्स ऐसा है जो पुरुष होने के बाद भी लड़कियों के अजीब से कपड़े पहन कर अपने वीडियो शेयर करता है। मछलियों वाला यह वीडियो उन्हीं में शामिल है। वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। कैप्शन में केवल लेटेस्ट फैशन लिख कर छोड़ा गया है। कमेंट सेक्शन में किसी ने शख्स को लेडी गागा कह कर बुलाया है, तो उसे फैशन के लिए डीवा की तरह दिखने का दावा किया है।

अजब-गजब | ऑनलाइन प्यार के जाल में फंसा बुजुर्ग

4 महिलाओं के चक्कर में गंवाए 9 करोड़

मुंबई में रहने वाले 80 वर्षीय बुजुर्ग के साथ सोशल मीडिया पर दोस्ती के बहाने करोड़ों की ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ठगों ने बुजुर्ग से 734 बार में करीब 8.7 करोड़ रुपये हड़प लिए। यह घटना अप्रैल 2023 में शुरू हुई, जब बुजुर्ग ने फेसबुक पर शार्वी नाम की एक महिला को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। शुरुआत में महिला ने रिक्वेस्ट ठुकरा दी, लेकिन कुछ दिन बाद उसी महिला ने खुद उन्हें फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। धीरे-धीरे बातचीत शुरू हुई, जो व्हाट्सऐप चैट तक पहुंच गई। अपने बारे में शार्वी ने बताया कि वो खुद तलाकशुदा है और दो बच्चों की मां है। उसने दावा किया कि वह कई परेशानियों से जूझ रही है। कभी बच्चों की बीमारी तो कभी आर्थिक तंगी का बहाना बनाकर वह बुजुर्ग से बार-बार पैसे मांगती रही, और हर बार बुजुर्ग उनकी मदद करने को तैयार हो जाते। मामला यहीं नहीं रुका। कुछ समय बाद कविता नाम की एक और महिला बातचीत में शामिल हो गई। उसने अश्लील मैसेज भेजे और फिर बीमार बच्चे के इलाज के नाम पर पैसे मांगे। इसके बाद दीनाज़ नाम की महिला सामने आई, जिसने खुद को शार्वी की बहन बताया। उसने कहा कि शार्वी की मौत हो गई है और मरने से पहले उसने अपनी अस्पताल की बिल चुकाने की जिम्मेदारी बुजुर्ग को सौंपी थी। दीनाज़ ने व्हाट्सऐप चैट के स्क्रीनशॉट भेजकर बुजुर्ग को विश्वास दिलाया और उनसे पैसा ले लिया। जब बुजुर्ग ने पैसे लौटाने की बात की, तो उसने आत्महत्या की धमकी दी। इसके बाद कहानी में जैस्मिन नाम की महिला आई, जिसने खुद को दीनाज़ की दोस्त बताया और मदद की गुहार लगाई। बुजुर्ग ने उसे भी पैसे भेज दिए। एक के बाद एक नए किरदार आते गए और बुजुर्ग धोखे के जाल में फंसते चले गए। अगर यहां ठगी की बात की जाए तो साल 2023 अप्रैल के महीने से जनवरी के बीच तक 8.7 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए और ये सभी 734 बार में किए गए। अपनी सारी जमा-पूंजी गंवाने के बाद उन्होंने बहू से 2 लाख रुपये उधार लिए और बेटे से 5 लाख रुपये मांगे। बेटे को शक हुआ और उसने पूरे मामले की सच्चाई जान ली। सच्चाई सामने आने के बाद बुजुर्ग को इतना गहरा सदमा लगा कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। डॉक्टरों ने बताया कि वह डिमेंशिया से पीड़ित हैं,ḍ ऐसी बीमारी जिसमें याददाश्त और समझने की क्षमता धीरे-धीरे कम हो जाती है। 22 जुलाई को इसकी शिकायत बुजुर्ग ने साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर की। इसके बाद 6 अगस्त को एफआईआर दर्ज हुई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस पूरे केस में चार महिलाओं के नाम सामने आए हैं। हालांकि शक यही है कि ये सब एक ही हो।

मंत्रियों को हटाने संबंधी विधेयक को लेकर देश में सियासी संग्राम

» गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे तो जाएगी कुर्सी
» सपा व कांग्रेस ने सरकार को घेरा?
» यह सत्ता से हटाने का नया तरीका है : राम गोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने संबंधी विधेयक पर बवाल मच गया है। सपा व कांग्रेस ने इस पर सवाल उठाया है। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव व कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

सांसद रामगोपाल ने दावा किया है कि यह सत्ता से हटाने का नया तरीका है। उन्होंने कहा कि अगर किसी पर कोई आरोप न भी हो, तो भी आरोप लगाए जा सकते हैं और इस सरकार में लगाए भी जा रहे हैं, लोगों को झूठे और गंभीर आरोपों में जेल में डाला जा रहा है, जिन राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री या मंत्री नहीं हैं, उन्हें सत्ता से हटाने का एक और तरीका इस सरकार द्वारा लाया जा रहा है। लोकतांत्रिक मानदंड अब बचे ही नहीं हैं, जो लोग यह विधेयक ला रहे हैं, उन्हें एक बात समझ नहीं आ रही है - एक बार सत्ता से बाहर जाने के बाद, वे वापस नहीं आएंगे, उनके अपने ही लोगों ने उनका विरोध करना शुरू कर दिया है।

जब से भाजपा सत्ता में आई है, भ्रष्टाचार की परिभाषा बदल गई : प्रमोद तिवारी

इस विधेयक पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के खिलाफ है, लेकिन जब से भाजपा सत्ता में आई है, भ्रष्टाचार की परिभाषा बदल गई है। चाहे चुनाव आयोग हो, ईडी हो, या सीबीआई हो, इनका खूब दुरुपयोग होता है, और इसीलिए इनकी दोषसिद्धि दर 90 प्रतिशत से ज्यादा है। विधेयक आने दीजिए, हम इसे समझेंगे, और समझने के बाद ही हम इस पर कार्रवाई और प्रतिक्रिया करेंगे।

विधेयक में ये है?

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस विधेयक को संसद की एक संयुक्त समिति को भेजने के लिए लोकसभा में एक प्रस्ताव भी पेश करेंगे। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 के उद्देश्यों के अनुसार, संविधान के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार और हिरासत में लिये गए मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री या केंद्रीय मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री तथा राज्यों एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के मुख्यमंत्री या मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री को हटाने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करने के मकसद से संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239एए में संशोधन की आवश्यकता है। विधेयक का उद्देश्य उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करना है।

मप्र में 2023 में 16 लाख वोटों का हुआ हेरफेर : सिंघार

» नेता प्रतिपक्ष बोले- इसलिए 27 सीटों पर हारी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। देश में वोट चोरी पर बहस के बीच विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाया है कि 2023 में हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में 16 लाख वोटों का हेरफेर किया गया था। मंगलवार को भोपाल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिंघार ने कहा कि 2023 में दो महीनों में ही करीब 16 लाख वोटर बढ़े थे। मैंने 25-26 सीटें निकालीं, जहां दो महीनों में 7 से 10 हजार तक वोटर बढ़े।

विधानसभा उम्मीदवारों को यह जानकारी और लिस्ट नहीं दी गई और न ही राजनीतिक दलों को मतदाता सूची दी गई। जहां 11 हजार वोटर बढ़े वहां हार-जीत का अंतर 5 हजार वोटों का रहा। इस कारण करीब 27 सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार बहुत कम अंतर से चुनाव हार गए। वोट चोरी करके फर्जी जनादेश लेकर मप्र में भाजपा ने सरकार बनाई। चुनाव आयोग ने भाजपा की सरकारें बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। चुनाव आयोग ने एक पत्र 9 जून 2023 को छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मप्र, मिजोरम और राजस्थान के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों को जारी किया था।

मतदाता सूची में फोटो क्यों नहीं जोड़े जाते?

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि चुनाव आयोग ऑनलाइन मतदाता सूची में फोटो शामिल नहीं करने के लिए 'गोपनीयता' और 'फाइल साइज' का बहाना देता है। लेकिन जब सरकार अपनी योजनाओं का प्रचार करती है, तब लाभार्थियों के फोटो और वीडियो बड़े-बड़े पब्लिक डॉक्यूमेंट्स और विज्ञापनों में सार्वजनिक किए जाते हैं। सवाल यह है कि अगर वहां गोपनीयता का उल्लंघन नहीं होता, तो फिर पारदर्शिता के लिए मतदाता सूची में फोटो क्यों नहीं जोड़े जाते?

यूपी टी-20: मेजबान फॉल्कंस को दूसरे मैच में मिली जीत

» यूपी टी-20 लीग में मेरठ को 5 विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी टी-20 लीग में मेजबान लखनऊ फॉल्कन को अपने दूसरे मुकाबले में पहली जीत नसीब हुई। गत चैंपियन मेरठ मावरिक्स को पांच विकेट से हराकर लखनऊ फॉल्कंस ने लंबी उड़ान भरने के साथ ही लीग के तीसरे संस्करण में जीत का खाता खोला। मेरठ के 150 रनों के जवाब में लखनऊ फॉल्कंस ने पांच विकेट खोकर जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य नौ गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया।

सलामी बल्लेबाज आराध्य यादव (62 रन) की तूफानी बल्लेबाजी और मो. सैफ (55 रन) का धमाकेदार प्रदर्शन ने सभी का दिल जीत लिया। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में आज लखनऊ की टीम नए कप्तान प्रियम गर्ग के नेतृत्व में खेली। कप्तान भुवनेश्वर कुमार के अस्वस्थ होने के कारण वह मुकाबले में नहीं उतरे। मेरठ ने आज टास जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। स्वास्तिक चिकारा (32), माधव कौशिक (25) और रिंकू सिंह (23) जल्द ही आउट हो गये। निचले क्रम पर जीशान अंसारी ने 16 गेंदों पर 22 और यश गर्ग ने 18 गेंदों पर 22 रन की उपयोगी पारी खेली। किसी तरह से टीम 150 रन बटोर सकी। लखनऊ की ओर से पर्व सिंह और विप्रज निगम ने दो-दो विकेट लिए।जवाब में लखनऊ फॉल्कंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शीर्षक्रम के दो बल्लेबाज मात्र छह रन पर आउट हो गये। सलामी बल्लेबाज आराध्य यादव ने मो. सैफ के साथ लड़खड़ाती पारी को संभाला। दोनों ने 66 गेंदों पर 95 रन जोड़े और लखनऊ के स्कोर को सौ के ऊपर पहुंचाया।

एशिया कप में शुभमन गिल उपकप्तान

नई दिल्ली। अजीत अगरकर की अध्यक्षता में एशिया कप 2025 के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान हुआ है। इस दौरान कई खिलाड़ियों की वापसी हुई है तो कुछ को निराश होना पड़ा है। शुभमन गिल बतौर उपकप्तान टी20 में वापस आए हैं तो जितेश शर्मा का भी कमबैक हुआ है। जबकि श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और केएल राहुल जैसे स्टार खिलाड़ियों को इस टीम में जगह नहीं मिली है। आगामी एशिया कप 2025 के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान हो गया है। जहां अजीत अगरकर की अध्यक्षता में भारत की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान हुआ है। इस दौरान कई खिलाड़ियों की वापसी हुई है तो कुछ को निराश होना पड़ा है। शुभमन गिल बतौर उपकप्तान टी20 में वापस आए हैं तो जितेश शर्मा का भी कमबैक हुआ है। जबकि श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और केएल राहुल जैसे स्टार खिलाड़ियों को इस टीम में जगह नहीं मिली है। केएल राहुल और श्रेयस अय्यर ने आईपीएल 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। अय्यर ने जहां 600 से ज्यादा रन बनाए थे। वहीं राहुल के बल्ले से भी खूब रन निकले थे। उन्होंने शतक भी लगाया था। यशस्वी जायसवाल ने उम्मीद के मुताबिक तेजी से रन बनाए थे। तीनों टीम में जगह पाने के हकदार थे।

अवैध अतिक्रमण हटते ही नजर आई सड़क

» हजरतगंज पुलिस और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कार बाजार रोड दोनों साइड से खाली कराई

लखनऊ। नगरआयुक्त के निर्देश पर बुधवार को नगर निगम जोन-1 और हजरतगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़े पैमाने पर अवैध अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान में पुलिस बल और नगर निगम की टीम ने सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों पर कार्रवाई की।

अभियान के दौरान नगर निगम राजस्व निरीक्षक राजा भईया संजय सिंह 296 की टिम ने कार बाजार क्षेत्र की सड़क को दोनों ओर से पूरी तरह खाली कराया गया। पुलिस ने यहां बैरिकेडिंग लगाकर सड़क को डिवाइड कर दिया, जिससे जाम की समस्या से निजात मिलेगी। लंबे समय से इस इलाके में अवैध अतिक्रमण और वाहन खड़े होने के कारण लोगों को रोजाना जाम की परेशानी झेलनी पड़ती थी।नगर निगम की टीम ने सड़क किनारे लगे ठेले, अवैध बोर्ड, बैनर और कब्जों को हटाया। वही सड़क पर खड़ी तीन चार पहिया वाहन भी जब्त किए गए। अधिकारियों ने साफ चेतावनी दी कि दोबारा अतिक्र मण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हजरतगंज एसीपी विकास जायसवाल ने कहा कि यह अभियान लोगों की समस्या को देखते हुए चलाया गया है ताकि आने-जाने वालों को राहत मिले और यातायात सुचारू रूप से चलता रहे। पुलिस और नगर निगम की इस संयुक्त मुहिम से स्थानीय लोगों ने भी राहत की सांस ली है।

कर्नाटक में एससी आरक्षण में बड़ा बदलाव

» 101 जातियों को वर्गों में बांटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जातियों (एससी) के लिए आंतरिक आरक्षण को मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति एचएन नागमोहन दास आयोग की सिफारिशों के आधार पर 17 प्रतिशत कोटे को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है।

मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत फॉर्मूले के अनुसार, एससी (दक्षिणपंथी) और एससी (वामपंथी) समूहों को 6-6 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जबकि लम्बानी, भोवी, कोरमा, कोरचा जैसे स्पृश्य दलित समुदायों के साथ-साथ अति पिछड़े और खानाबदोश समुदायों को 5 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। इसमें एससी श्रेणी की 101 जातियाँ शामिल हैं। यह निर्णय कैबिनेट की एक विशेष बैठक के बाद लिया गया, जिसमें आयोग की 1,766 पृष्ठों की रिपोर्ट पर चर्चा की गई। 4 अगस्त को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को सौंपी गई इस रिपोर्ट में मूल रूप से पाँच श्रेणियों में विभाजन का सुझाव दिया गया था, लेकिन कैबिनेट ने इसे घटाकर तीन श्रेणियों में कर दिया।

एक दिन सच्चाई सामने आएगी : राहुल गांधी

» वोट अधिकारी यात्रा में जुट रही है भीड़

» कांग्रेस व राजद का भाजपा और चुनाव आयोग पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शेखपुरा। बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच सियासी मुकाबला जारी है। वहीं, इंडिया गठबंधन वोट अधिकार यात्रा के माध्यम से प्रदेश के बड़े मतदाता वर्ग तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। जबकि केंद्र और राज्य सरकार बिहार के विकास के लिए पिटारे से एक के बाद एक एलान कर रही है।

इसी क्रम में वोट अधिकार यात्रा के दौरान बरबीघा के वोट हटिया मोड़ पर आयोजित सभा में लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एक दिन यह सच्चाई सामने आएगी कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर वोट चोरी की थी। जब यह सच्चाई सामने आएगी तो वर्तमान चुनाव आयोग पर कानूनी कार्रवाई तय है।

राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग जो आज उनसे एफिडेविट मांग रहा है, आने वाले समय में बिहार की जनता उसी आयोग से जवाब मांगेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार गरीबों का वोट अधिकार छीनने का प्रयास कर रही है।गरीबों के पास सिर्फ वोट का अधिकार बचा है। अगर यह भी छिन गया तो फिर राशन कार्ड, जमीन और बाकी सब कुछ भी उनसे छिन जाएगा। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव जीता, लेकिन विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग की मदद से भाजपा ने वोट चोरी कर परिणाम पलट दिए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि वहां एक करोड़ नए वोटर जोड़ दिए गए, जबकि मांगी गई वोटर लिस्ट और वीडियोग्राफी आयोग ने उपलब्ध नहीं कराई। इसी तरह बैंगलोर सिटी में एक लाख फर्जी वोटर पाए गए, जिससे कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

बिहार के बाद अब पूरा देश चुनाव चोरी पर लड़ेगा

चुनावी राज्य बिहार में अपनी मतदाता अधिकार यात्रा को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को विश्ववास व्यक्त किया कि पूरा देश चुनावी चोरी का भी विरोध करेगा। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रतिक्रिया बहुत अच्छी है। बिहार में अब हर कोई वोट चोरी कह रहा है। यह वास्तविकता है। चुनावी चोरी की कोशिश की जा रही है। बिहार विरोध कर रहा है। पूरा देश विरोध करेगा।

दो गुजराती बिहारियों के वोट चुराने आएंगे : तेजस्वी यादव

विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भी भाजपा पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि दो गुजराती बिहार विधानसभा चुनाव में बिहारियों के वोट चुराने आएंगे। लेकिन याद रखिए, बिहारी लोग चुना को खैनी में रगड़कर साफ कर देते हैं। तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान करते हुए कहा कि बिहार में बेरोजगारी, पलायन, भ्रष्टाचार और अशिक्षा चरम पर है। उन्होंने अपने 22 महीने के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा कि इस दौरान पांच लाख युवाओं को रोजगार दिया गया था। हमारी सरकार बनी तो पढ़ाई, दवाई, कमाई और सुनवाई पर जोर होगा। बिहार को अब एक युवा मुख्यमंत्री की आवश्यकता है, तेजस्वी यादव ने कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में 80 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब अचेतावस्था में हैं। तेजस्वी ने कहा कि बिहार के युवा आज नौकरी के लिए दर-दर भटक रहे हैं और दूसरे राज्यों में बेइज्जती झेल रहे हैं। अगर उनकी सरकार बनी तो रोजगार के अवसर पैदा कर युवाओं को सम्मान दिलाया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष खलनायक की भूमिका में : विजय सिन्हा

विजय सिन्हा ने कहा कि आज विपक्ष खलनायक की भूमिका में नजर आ रहा है। प्रतिपक्ष को सकारात्मक होना चाहिए, लेकिन ये लोग केवल जनता को भ्रमित करने और बरगलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं का लगातार अपमान किया जा रहा है और विपक्ष बिना किसी प्रमाणिकता के संविधान को कमजोर करने का माहौल बना रहा है। डिप्टी सीएम ने कहा, जो लोग संविधान को अमूल्य धरोहर नहीं मानते और संवैधानिक संस्थानों को धमकाने की भाषा बोलते हैं, वे देश और राज्य के हितैषी नहीं हो सकते। संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की भाषा अगर अराजकता फैलाने वाली हो, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। बिहार के नेता प्रतिपक्ष की बॉडी लैंग्वेज और उनकी भाषा मर्यादाओं को तार-तार कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग राजनीति को अपनी जागीर समझते हैं और जमींदारी मानसिकता के साथ काम करते हैं, उनके खिलाफ खड़ा होने का समय आ गया है। विजय सिन्हा ने विपक्षी नेताओं पर परिवारवाद और तानाशाही मानसिकता को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया।

उन्नाव में दो वाहनों में भिड़ंत में तीन लोगों की जलकर मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उन्नाव जिले में बुधवार तड़के दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्क र के बाद उनमें आग लग गई, जिससे तीन लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा तड़के करीब तीन बजे बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में हरदोई-उन्नाव मार्ग पर मरी कंपनी मोड़ के पास उस वक्त हुआ जब उन्नाव से हरदोई की ओर जा रहा एक डंपर की हरदोई से उन्नाव की ओर आ रही डीसीएम से टक्कर हो गई, जिसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। थाना प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद छह बजे आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि हादसे में कानपुर देहात निवासी डंपर चालक पवन यादव, जालौन निवासी उसका सहायक सुमित, और संभल निवासी डीसीएम चालक महिपाल की जलकर मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि डीसीएम चालक का सहायक संभल निवासी सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद गंजमुरादाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कोई पास नहीं जा सका। हादसे के बाद सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लगभग तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा। अधिकारियों ने बताया कि क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से हटाकर यातायात बहाल किया गया।

एसआईआर को लेकर विपक्ष का हंगामा जारी

संसद का मानसून सत्र फिर नाकाम, लोकसभा व राज्य सभा फिर स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र में बुधवार को भी विपक्ष ने लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा किया। विपक्ष ने बिहार एसआईआर का विरोध किया। लोकसभा में ऑनलाइन गेमिंग विधेयक पेश किया गया। भारी हंगामे की वजह से लोकसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इस बीच ऑनलाइन गेमिंग विधेयक, 2025 लोकसभा में पेश किया गया।

उधर विपक्ष के हंगामे के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुरू हो गई है। दोनों सदनों में बिहार एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा जारी है। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए जाने का विरोध करने के लिए लोकसभा में नोटिस दिया। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए जाने का विरोध करने और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए जाने के विरोध में लोकसभा में नोटिस दिया।

गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने संबंधी विधेयक पर सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि अगर किसी पर कोई आरोप न भी हो, तो भी आरोप लगाए जा सकते हैं और इस सरकार में लगाए भी जा रहे हैं। लोगों को झूठे और गंभीर आरोपों में जेल में डाला जा रहा है। जिन राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री या मंत्री नहीं हैं, उन्हें सत्ता से हटाने का एक और तरीका इस सरकार द्वारा लाया जा रहा है। लोकतांत्रिक मानदंड अब बचे ही नहीं हैं। जो लोग यह विधेयक ला रहे हैं, उन्हें एक बात समझ नहीं आ रही है कि एक बार सत्ता से बाहर जाने के बाद वे वापस नहीं आएंगे। उनके अपने ही लोगों ने उनका विरोध करना शुरू कर दिया है।

खाद की तस्करी जोरों पर, सरकार मस्त

10 गुनी कीमत पर यूरिया खरीदने को मजबूर किसान, विपक्ष ने भाजपा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में यूरिया की कमी से हाहाकार मचा हुआ है। किसान यूरिया के लिए लाइन में लगे हैं लेकिन उन्हें नहीं मिल पा रही है। वहीं, तस्कर किसानों, निजी खाद विक्रेताओं व समितियों के सचिवों से सांठगांठ कर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। इस मामले को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा है।

सपा से कांग्रेस तक इस मुद्दे को जोरशोर से उठा रहे हैं। वहीं यूपी सरकार ने अधिकारियों से कालाबाजारी पर सख्ती करने के आदेश दिए हैं। नेपाल से सटे प्रदेश के सात जिलों में खाद की

किल्लत सबसे ज्यादा है लेकिन तस्करी से नेपाल के खेतों में बहार है। तस्कर यहां खाद की 10 गुना ज्यादा कीमत वसूलकर मोटी कमाई कर रहे हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को खुद खाद तस्करी के मामले में संवेदनशील सिद्धार्थनगर पहुंचकर कार्रवाई की चेतावनी दी। इसके बाद भी तस्कर भारतीय खाद को नेपाल तक पहुंचा रहे हैं। इस खेल में 266.50 रुपये में मिलने वाली एक बोरी यूरिया नेपाल पहुंचते ही 1500 से 2000 रुपये की बिक रही है।

खाद विक्रताओं और समितियों से सांठगांठ कर हो रहा खेल

नेपाल में यूरिया की प्रति बोरी कीमत 800 रुपये है लेकिन मधेश क्षेत्र में मांग की अपेक्षा आपूर्ति कम होने से कीमत 1500 से लेकर 2000 रुपये बोरी हो गई है। इसी का फायदा उठाने के लिए तस्करों ने कुछ किसानों, निजी खाद विक्रेताओं व समितियों के सचिवों से सांठगांठ कर खेल शुरू कर दिया।

सीएम योगी ने की किसानों से अपील

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों से अपील की कि खाद का भंडारण न करें। जितनी आवश्यकता है, उतना खाद लें, जब-जब आवश्यकता है, तब-तब खाद लें। हर जनपद में शिकायत प्रकोष्ठ है। किसी भी परेशानी की स्थिति में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग, कालाबाजारी करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है। उन्होंने जनपद में तैनात अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण करने, किसानों से संवाद स्थापित करने और समस्याओं का निस्तारण करने का निर्देश दिया है।

मुंबई में बारिश ने ले ली कई जानें, शहर की हालत बदतर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र आपदा प्रबंधन विभाग की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पिछले 24 घंटों में बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई है। नांदेड़ जिले में बाढ़ जैसी स्थिति के कारण पांच लोग लापता बताए जा रहे हैं।

वहीं एनडीआरएफ की कुल 18 टीमें राज्य के कई हिस्सों में तैनात हैं, साथ ही एसडीआरएफ की छह टीमें भी तैनात हैं। मुंबई में हुई भारी बारिश से रेल पटरियों पर पानी भर जाने के कारण मंगलवार सुबह रुकी हार्बर लाइन की लोकल ट्रेन सेवाएं करीब 15 घंटे बाद बुधवार तड़के 3 बजे दोबारा शुरू हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि पानी उतरने के बाद सेवाएं बहाल की गईं। सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वानिल निला ने बताया कि मंगलवार सुबह 11:15 बजे ट्रैक डूबने के कारण पहले हार्बर लाइन और फिर मेन लाइन की सेवाएं बंद करनी पड़ीं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।